# Observation technique for guidance and counselling

My Priyanka Bhagat

प्रेक्षण विधि को अवलोकन विधि भी कहते हैं ।अवलोकन में व्यक्ति के व्यवहार का निरीक्षण किया जाता है ।इस विधि में व्यक्ति की दिनचर्या का अवलोकन किया जाता है ।इसके व्यवहार से निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

व्यक्ति के व्यवहारों का परीक्षण व्यक्ति के अध्ययन में अत्यधिक सहायक होता है परीक्षण के द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यवहारों एवं क्रियाओं का विवरण प्राप्त होता है।इसके अंतर्गत व्यक्ति की प्रतिदिन की क्रिया व्यवहारों का निश्चित समय पर एवं समय समय पर विवरण एकत्र किया जाता है।

प्रेक्षण विधि ना केवल एक व्यक्ति के अध्ययन में 1

# अवलोकन के लिए आवश्यक सिद्धांत--

अवलोकन निर्देशन की एक महत्वपूर्ण विधि है जिसका प्रयोग छात्रों के व्यवहार का अध्ययन करने एवं अन्य प्रवृत्तियों द्वारा एकत्रित तथ्यों की पुष्टि करने के लिए होता है ।अवलोकन को सार्थक बनाने की दृष्टि से निम्नलिखित सिद्धांतों का अनुसरण करना उपयोगी होता है--

- एक समय में एक छात्र का अवलोकन
- अवलोकन लंबी अवधि तक
- पूर्ण परिस्थिति का अवलोकन
- छात्रों का अवलोकन नियमित क्रियाओं में

अवलोकन के प्रकार(types of observation)--

अवलोकन कितने प्रकार के होते हैं या बहुत कुछ उन परिस्थितियों पर निर्भर करता है जिनमें कि उसका उपयोग करते हैं।उदाहरण के लिए जड़ से लेता था मैं जिसके अनुसार प्रायर तीन प्रकार की परिस्थितियों में प्रेक्षण करते हैं और उनके आधार पर निम्न प्रकार के अवलोकन होते हैं:-

- स्वतंत्र अवलोकन
- नियंत्रित अवलोकन
- अर्ध अनियंत्रित अवलोकन
- आकस्मिक अवलोकन

नियंत्रित अवलोकन

बोनी तथा हाल फिल्म मैंने अवलोकन करते समय लिखने अथवा रिकॉर्डिंग की जो विधि है उसके आधार पर अवलोकन के दो प्रकार बताए हैं:-

- अलिखित अवलोकन
- लिखित अवलोकन

कभी-कभी अवलोकन का वर्गीकरण व्यक्तियों की संख्या के आधार पर भी होता है। इस आधार पर अवलोकन दो प्रकार के माने जाते हैं:-

- व्यक्तिक अवलोकन
- सामूहिक अवलोकन

अवलोकन में सावधानियां:-। अवलोकन में निम्नलिखित सावधानियां बरतने से अवलोकन अधिक वस्तुनिष्ठ हो सकता है :-

- प्रेक्षक को पूर्वाग्रह पक्षपात और रुचि ऊपर नियंत्रण रखना चाहिए।
- प्रेक्षण में आवश्यकतानुसार ऑडियो या वीडियो जैसे उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए।
- प्रेक्षण में यथासंभव गोपनीयता का पालन करना चाहिए।
- अवलोकन से पूर्व प्रेक्षणीय तथ्य निर्धारित कर लेना चाहिए।
- अवलोकन अनेक बार करना चाहिए।
- प्रेक्षक को प्रशिक्षित होना चाहिए।

अवलोकन के लाभ(advantages of observation)-

- अवलोकन त्रिवेदी के द्वारा व्यक्ति की भावात्मक एवं सामाजिक प्रतिक्रियाओं का अवलोकन सरलता से किया जा सकता है।
- अवलोकन त्रिवेदी का उपयोग अध्यापक शैक्षिक परिस्थितियों में भली-भांति कर सकता है।
- अवलोकन प्रविधि का व्यवहार भी सभी स्थलों पर हो सकता है।